चि. अशोक कुमार
जन्म नक्षत्र - हस्त
जन्म राशि - कन्या
जन्म लग्न - सिंह

कु. दिशा
जन्म नक्षत्र - रेवती
जन्म राशि - मीन
जन्म लग्न - मिथुन

प्रमुख विचारणीय बिन्दु :

1. अष्टकूट गुण मिलान पद्धति के अनुसार 26.05 गुण मिलते हैं। गुणों की यह संज़्या मिलान के लिए उत्तम है।
2. चि. अमित जन्म लग्न व चंद्र लग्न से मांगलिक हैं, तदनुसार कु. दीप्ति भी जन्म लग्न व चंद्र लग्न दोनों तरह से मांगलिक हैं।
3. चि. अमित के जन्म लग्न में मंगल हैं परंतु कु. दीप्ति के जन्म लग्न से चतुर्थ में मंगल हैं तथा शनि से युत हैं। दोनों की जन्म लग्न से सप्तम पर मंगल का दृष्टि प्रभाव है। यह मिलान भी ठीक है।
4. चि. अमित के चंद्र लग्न से 12वें भाव में मंगल हैं और कु. दीप्ति के चंद्र लग्न से सप्तम में मंगल हैं। यह मिलान भी ठीक है।
5. चि. अमित की जन्म लग्न सिंह के स्वामी सूर्य एवं कु. दीप्ति की जन्म लग्न मिथुन के स्वामी बुध परस्पर सम हैं एवं कुण्डलियों में तात्कालिक मित्र हैं जो कि शुभ है।
6. चि. अमित की जन्म लग्न से सप्तमेश शनि हैं एवं कु. दीप्ति की जन्म लग्न से सप्तमेश बृहस्पति हैं। शनि व बृहस्पति नैसर्गिक रूप से सम हैं परंतु दोनों की कुण्डलियों में गुरु व शनि तात्कालिक मित्र हैं जो कि शुभ है।
7. चि. अमित की जन्म राशि कन्या के स्वामी बुध हैं एवं कु. दीप्ति की जन्म राशि मीन के स्वामी बृहस्पति हैं। बुध के बृहस्पति सम हैं परंतु बृहस्पति के बुध नैसर्गिक शत्रु हैं लेकिन दोनों की कुण्डलियों में बुध व बृहस्पति तात्कालिक मित्र हैं, इसलिए मिलान शुभ है। इसी तरह दोनों की चंद्र लग्न से भी सप्तमेश बुध व बृहस्पति ही हैं जो कि इन कुण्डलियों में परस्पर ठीक स्थिति में हैं।
8. चि. अमित व कु. दीप्ति की नवांश कुण्डलियों के लग्नेश व सप्तमेश भी परस्पर सम व मित्र हैं।

9. चि. अमित के जन्म नक्षत्र हस्त के स्वामी चंद्रमा और कु. दीप्ति के जन्म नक्षत्र रेवती के स्वामी बुध हैं। चंद्रमा के बुध नैसर्गिक मित्र हैं परंतु बुध के चंद्रमा नैसर्गिक शत्रु हैं लेकिन दोनों की कुण्डलियों में चंद्रमा व बुध तात्कालिक मित्र हैं इसलिए मिलान उत्तम है।
10. चि. अमित व कु. दीप्ति दोनों ही बुध अंतर्दशा में चल रहे हैं।
11. चि. अमित की जन्म लग्न में मंगल की युति बुध से है लेकिन कु. दीप्ति के जन्म लग्न में शुक्र की बुध से युति है। मांगलिक दोष के परिहार वाक्यों के अनुसार लग्नस्थ मंगल का लग्नस्थ शुक्र से परिहार है।
12. कु. दीप्ति के जन्म लग्न से चौथे व चंद्र लग्न से सप्तम में मंगल व शनि की युति है लेकिन चि. अमित के जन्म लग्न से चतुर्थ व चंद्र लग्न से सप्तम भाव ग्रह रहित हैं लेकिन चि. अमित की कुण्डली में लग्न से चतुर्थेश मंगल योगकारक होकर लग्न में हैं व चंद्र लग्न से सप्तमेश बृहस्पति भी चंद्र लग्न से नवम में शुभ ग्रह की राशि में हैं तथा मंगल व बृहस्पति अन्य किसी पाप ग्रह से युत या दृष्ट नहीं हैं। कु. दीप्ति की कुण्डली में चतुर्थेश बुध स्वराशि में लग्न में हैं एवं सप्तमेश गुरु भी मित्र राशि में हैं और सप्तम भाव को देख रहे हैं।
13. चि. अमित की कुण्डली में भाव श्रीपति के अनुसार लग्नस्थ मंगल दूसरे भाव में और चंद्रमा तीसरे भाव में चले गये हैं, इसलिए चि. अमित चंद्र लग्न से द्वादश में मंगल होने से स्पष्ट मांगलिक हैं। इसी तरह कु. दीप्ति की कुण्डली में मंगल तो चौथे भाव में ही हैं परंतु चंद्रमा दशम के स्थान पर ग्यारहवें भाव में चले गये हैं, जिससे कु. दीप्ति जन्म लग्न से स्पष्टतः मांगलिक हैं। दोनों की जन्म लग्न में भाव स्पष्ट के आधार पर शुक्र-बुध की युति है जो उत्तम है।
14. चि. अमित के जन्म लग्न से सप्तम भाव पर राहु-मंगल व बुध का दृष्टि प्रभाव है और राहु बंधन कारक हैं तथा कु. दीप्ति की जन्म लग्न से सप्तम पर सौभाग्य सुहाग व दांपत्य सुख के कारक सप्तमेश बृहस्पति एवं शुक्र-बुध का दृष्टि प्रभाव है जो कि विवाह बंधन की रक्षा का योग है।
15. पत्रिकाओं में गुण-दोष तो होते ही हैं। संपूर्ण दोषों का अभाव होना किसी कुण्डली में असंभव है, परंतु गुणों की अधिकता व दोषों की न्यूनता होने पर कार्य करना श्रेष्ठ माना जाता है, ऐसा आप्त वाक्य प्रमाण है। दोनों कुण्डलियों का मिलान करने पर दोषों की अपेक्षा गुणों की बाहुल्यता है इसलिए इनका विवाह करना उत्तम रहेगा।

।। शुभम् भवतु कल्याणं ।।

शुभ कामनाओं सहित!